भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2929
गुरुवार, 08 अगस्त, 2024/17 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

वायु कनेक्टिविटी का विस्तार

2929. श्री अनिल बलूनीः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) उत्तराखंड में वायु कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए सरकार द्वारा की गई/की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है; और
(ख) उत्तराखंड में उन स्थानों (देहरादून के अलावा) का ब्यौरा क्या है जहां देश के प्रमुख शहरों से सीधा वायु कनेक्टिविटी सुगम बनाने के लिए वाइड बॉडी विमानों के उतरने की सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देना और जनसाधारण के लिए हवाई यात्रा को किफ़ायती बनाना है। उड़ान बाज़ार आधारित योजना है। इच्छुक एयरलाइनें, विशेष मार्गों पर मांग के अपने आंकलन के आधार पर उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। उड़ान योजना के अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल हवाईअड्डे को 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का जीर्णोद्धार' योजना के तहत विकसित किया जाता है।

उड़ान योजना के तहत उत्तराखंड में अब तक पंतनगर और पिथौरागढ़ में अवस्थित हवाईअड्डों का प्रचालन शुरु किया गया है। इसके अतिरिक्त, गैर-अनुसूचित प्रचालन परमिट (एनएसओपी) के तहत अल्मोड़ा, चिन्यालीसौड़, गौचर, हल्द्वानी, नई टिहरी, सहस्त्रधारा, श्रीनगर, मुनस्यारी (पिथौरागढ़), चंपावत से हेलीकॉप्टर प्रचालन शुरू हो चुके हैं। वर्तमान में, इस योजना के तहत राज्य के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने वाले 50 मार्ग प्रचालनशील हैं।

(ख): वर्तमान में, ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****